मंगल मूर्ति मारुती नंदन

मंगल मूर्ति मारुती नंदन, सकल अमंगल मूल निकंदन |

पवन तने संतान हितकारी, ह्रदय विराजत अवध बिहारी |

मात पिता गुरु गणपति शारदा, शिवा समेत शम्भू शुक नरदा |

चरण कमल बंदउ सब कहु, देहु रामपद नेहु निभाहु |

जय जय जय हनुमान गोसाई, कृपा करो गुरुदेव की नाइ |

बंदउ राम लखन बैदेही,यह तुलसी के परम सनेही ||

(Tune- Mangal Bhawan…)